realpatidar.com

पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१

# श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर

२२९१, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२, फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

व्यवस्थापक मंडळ

श्री. धनंजय गुलाबचंद मालू
(जयसिंगपूर)

श्री. शिवस्वरूप चंद्रकांत भेंडे
(कोल्हापूर)

श्री. प्रसाद अनंतराव चिकसकर
(पुणे)

ॲड. श्री. सुरेश दत्तात्रय कुलकर्णी
(कोल्हापूर)

श्री. रामकृष्ण हरीभाऊ देशपांडे
(नेवापूर)

जा.नं. 551

दिनांक 1.7.2016

**"पीठस्थ देवताओंके अनेक आशिर्वाद एवम् श्री स्वामीजींका नारायण स्मरण "**

महोदय ,

पीराणा सतपथ धर्म विषय पर श्रीमद् जगद्गुरू शंकराचार्य पीठ करवीर , कोल्हापूर द्वारा किए गए गहन अभ्यास का इतिहास बहुत पुराणा है | इस विषय पर करवीर पीठ ने भूतकाल मे अच्छी तरह से अभ्यास एवं विद्वानों के साथ विचार विमर्श कर के लगभग 85 वर्ष पहले वैशाख शुद्ध 8 शके 1853 को एक धर्मादेश / पत्र प्रकाशित कर के यह स्पष्ट रूप से प्रमाणित कर दिया था की , पीराणा सतपंथ धर्म यह मुस्लिम धर्म का भाग है |

Saturday
25-Apr-1931

कुछ समय पहले यह जानने मिला है की , पीराणा सतपंथ धर्म को लेकर कुछ असमंजस की स्थिती हमारे हिदुओमे बनती हुई देखने - सुनने मिली है | कुछ घटनाओंके कारण हिदू जन सामान्य मे एक ऐसी झुठी छवी उभरी है क्यो की पीराणा सतपंथ धर्म एक इस्लाम धर्म का भाग होने के बावजुद उसे मनघडन कथा कहानिया द्वारा हिदू धर्म का भाग बताने की कोशिश हो रही है |

पीराणा सतपंथ धमर्ड जो इस्लाम का भाग है उस धर्म के एक प्रचारक को किसी अज्ञात वजह से हिदू धर्म की , " महामंडलेश्वर " उपाधी दि गयी है | एवं पीराणा सतपंथ धर्म के रथ को कुंभमेलेमे भी स्थान दिया गया है | ऐसा भी झूठा प्रचार किया जा रहा है की पीराणा सतपंथ धर्म एक ऐसा धर्म है जो हिदूओ और मुसलमानोंके बीच एकता का प्रतिक है |

ऐसे कारणोंको लेकर सतपंथ धर्म के विषयपर अज्ञानी और शंका न करणे वाले भोले भाले हिदू जन इस दुष्प्रचार का



realpatidar.com

realpatidar.com

पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१

**श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर**

२२९९, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२. फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

व्यवस्थापक मंडळ

श्री. धनंजय गुलाबचंद मालू (जयसिंगपूर)

श्री. शिवस्वरुप चंद्रकांत भेंडे (कोल्हापूर)

श्री. प्रसाद अनंतराव चिकसकर (पुणे)

ॲड. श्री. सुरेश दत्तात्रय कुलकर्णी (कोल्हापूर)

श्री. रामकृष्ण हरीभाऊ देशपांडे (नेवापूर)

शिकार हो रहे है और झुठे तौर पर हिंदू धर्म वाली छबी अपनानेसे भ्रमित होकर मुस्लिम धर्म का पालन कर रहे है और उन्हें सच्चाई का पता भी नही होता |

ऐसी आपात कालिन परिस्थिती मे इस विषयपर गहाराईसे पुन्हः अभ्यास करने की आवश्यकता का पता चला |

1. पीराणा सतपंथ धर्म का शेकडो वर्ष पुराणा इतिहास

2. पीराणा सतपंथ धर्म के स्थापक श्री इमामुद्दिन अब्दुलरहीम सैय्यद उर्फ इमामशाहा उर्फ इमामशाहा महाराज और उनेके परीवार मे भी आज सभी लोग मुसलमान समाज मे है

3. पीराणा सतपंथ धर्म की मुख्य मातृसंस्था " इमामशाहा बाबा रोजा संस्थान कमिटी ट्रस्ट का " बॉम्बे हायकोर्ट द्वारा रचित संविधान (Constitution)

4. ब्रिटीश सरकार के काल के सरकारी दस्तावेज

5. स्वतंत्र भारत समय काल के सरकारी दस्तवेज

6. लगभग सो वर्षोसे भी अधिक समय काल मे किए गए देशी एवं विदेशी संशोधनकारो / शोधकर्ताओं (Researchers) के दस्तावेज

7. पीराणा सतपंथ की धार्मिक पुस्तके

8. सरकारी गॅझिटिअर्स (Gazetteers)

9. विश्वकोष (Encyclopedia)

10. पीराणा सतपंथ धर्म को छोडकर पुन्हः सनातन धर्म को अपनानेवाले लोगोंके समाज का धार्मिक इतिहास

2

realpatidar.com

realpatidar.com

पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१

# श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर

२२११, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२, फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

व्यवस्थापक मंडळ

श्री. धनंजय गुलाबचंद मालू
(जयसिंगपूर)

श्री. शिवस्वरूप चंद्रकांत भेंडे
(कोल्हापूर)

श्री. प्रसाद अनंतराव चिकसकर
(पुणे)

ॲड. श्री. सुरेश दत्तात्रय कुलकर्णी
(कोल्हापूर)

श्री. रामकृष्ण हरीभाऊ देशपांडे
(नेवापूर)

11. इस विषयपर पीराणा सतपंथ धर्म को इस्लामधर्म का भाग होने और हिदू धर्म का भाग न होने के विषय मे जारी किए गए आद्य जगद्गुरू शंकराचार्य द्वारा स्थापीत सनातन धर्म के चारो पीठोंके प्रमाणपत्र

जैसे अन्य महत्व के कई सारे दस्तावेजोंको गहराईसे अध्ययन करनेपर पता चलता है की भले पीराणा सतपंथ धर्म बाहय रूपसे हिदू धर्म के जैसा हे , उसके धार्मिक पुस्तकोमे हिदू देवी देवताओंका उल्लेख है पर वास्तव मे वह हिदू धर्म का भाग नही है |

मुल मे पीराणा सतपंथ धर्म की रचना उन्हे अपाने और आकर्षित कर उन्हे सौम्य रूपसे और कुछ समय काल के पश्चात कुछ पिडियोंके बाद उन्हे पुरी तरह मुस्लिम बनाना है | इस्लाम मे प्रचलित घातक " ताकीया " पद्धती के अनुसार हिदू दिखावा अपनाना हिदू देवी देवताओं का उल्लेख करना सतपंथ के आराध्य देव हजरत अली का नाम हिदू दिखावा होने वाला निष्कलंकी नारायण रखना | हिदू धर्म धार्मिक नायक भगवान जैसे की राम कृष्ण वगैरे को भ्रष्ट कर उनका सतपंथ के धार्मिक कथाओंमे उल्लेख करना और उस भ्रष्ट स्वरूप के हिदू नायक के द्वारा इस्लामी संदेश देना हिदू धर्म के धार्मिक ग्रंथोंको भ्रष्ट कर सतपंथ के धार्मिक ग्रंथोंकी रचना करना जिसके द्वारा हिदू दिखावा रखकर मुल इस्लामी संदेश देना जैसे की दशावतार , गीता , अथर्ववेद , सतपंथ पुजाविधी यह सबकुछ मात्र हिदूओंको अपनी और आकर्षित करनेके लिए है | जबतक वह संपूर्ण रूप से मुसलमान न बन जाए तब तक अनुयायोंको दिखावे के बलबुते पर हिदू समाज मे रहने की सुविधा हो यह कारण है |

इस व्यवस्था को तो इस्लाम को धर्मांतरण करानेवाले " ताकीया " पध्दती के अनुरूप बनाया गया है और इस्लाम मे इसकी मान्यता भी है | ऐसी मजबुत व्यवस्था के कारण



realpatidar.com

realpatidar.com

पब्लिक ट्रस्ट रजि. नं. : ए - १३९१

ॐ

# श्री स्वामी जगद्गुरु शंकराचार्य पीठ, करवीर

२२९९, डॉ वॉर्ड, शुक्रवार पेठ, कोल्हापूर ४१६ ००२. फोन नं. : २५४१४५४/२५४०३६२.
E-mail : peethkarvir@gmail.com | Website : www.shankaracharyakarveer.org

व्यवस्थापक मंडळ

श्री. धनंजय गुलाबचंद मालू (जयसिंगपूर)

श्री. शिवस्वरुप चंद्रकांत भेंडे (कोल्हापूर)

श्री. प्रसाद अनंतराव चिकसकर (पुणे)

ॲड. श्री. सुरेश दत्तात्रय कुलकर्णी (कोल्हापूर)

श्री. रामकृष्ण हरीभाऊ देशपांडे (नेवापूर)

हिदू ,लोहाना , सुमरा , भाटीया और पाटीदार जैसे जाती के कई लोग आज पुरी तरह से खोजा और मुमना मुसलमान बन चुके है यह भी एक ऐसी हकीकत है जिसको अनदेखा नही किया जा सकता |

ऐसी परिस्थीती को ध्यान मे रखकर जो हिदू लोग पीराणा सतपंथ धर्म को हिदू धर्म का ही एकभाग होने का भूल से मानकर उसके अनुयायी हो गए है अथवा उससे जुडे है , उन लोगोंको यह श्रीमद् जगद्गुरू शंकराचार्य करवीर पीठ सावधान करती है | लोगोंसे अनुरोध है के पीराणा सतपंथ धर्म भलेही रूप या वेशभूषा मे हो कोई भी अन्य भ्रामक नामकरणसे प्रचलित हो तो भी यह इस पीठ का स्पष्ट मानना है की पीराणा सतपंथ धर्म हिदू धर्म का भाग नही है | एवं वह हिदूओंको धर्मांतरण कर उन्हे मुसलमान बनाने का एक सुनियोजित षडयंत्र है |

हिदू धर्म के साधू संत और धार्मिक कार्यसे जुडे लोगोंको यह पीठ अनुरोध करती है की हिदू लोगोंको विधर्मी बनानेके प्रपंच का प्रचार करे और हिदू लोगोंकी पुरी तरहसे रक्षा करे |

और प.प. श्री विद्यानृसिंह भारती स्वामीजी

यह पत्र श्री [redacted] जी की मॉंग पर दिया जा रहा है |

जगद्गुरु शंकराचार्य जी आज्ञासे दिया गया

सचिव व वटमुखत्यार
श्री शिवस्वरूप चंद्रकांत भेंडे
श्री स्वामी जगद्गुरू शंकराचार्य पीठ
करवीर

4

realpatidar.com

realpatidar.com

Certificate of Shankaracharya-ji of Karveer Peeth located in Kolhapur
in Sanskrit and Marathi Language

## ॥ श्रीशंकर ॥

शिक्का

स्वस्ति श्रीमत्समस्तसुरवृन्दपूजितपादारविन्दशिवप्रतिबिंब-
वर्य–श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्य–पदवाक्यप्रमाण पारावारपारीण–
यमनियमासनप्राणायामप्रत्याहार ध्यानधारणासमाध्यष्टाङ्गयो-
गानुष्ठाननिष्ठतपस्चक्रवर्त्यनाद्यविच्छिन्नगुरु परम्पराप्राप्तषड्दर्शन-
संस्थापनाचार्य– व्याख्यानसिंहासनाधीश्वरसकलनिगमागमसारहृदय-
सांख्यत्रयप्रतिपादक सकलनास्तिकमतोच्छेदपूर्वकसकलधर्मसंस्थाप-
नैकधुरीण– वैदिकमार्गप्रवर्तकसर्वतन्त्रस्वतन्त्र– श्रीमहाराजधानी-
ऋष्यशृंगपुरवराधीश–श्रीमद्राजाधिराज–गुरुमण्डलाचार्य– श्रीमच्छ-
ङ्कराचार्यान्वयसञ्जाताभिनव–पञ्चगङ्गा– तीरवासकमलानिकेतनकर-
वीरसिंहासनाधीश्वरश्रीसच्चिदानन्दविद्याशंकरभारतीकरकमलकिंजल्को-
द्भव–श्रीमदभिनवश्रीसच्चिदानन्दविद्यानरसिंह भारतीस्वामिकृतानिश्री
माकृसपरिवारच्छात्राणामनुदिनमेधमानभव्यजनकानि ॥

श्रीमच्छङ्कराराधनावसरीयनारायणस्मरणानि ॥

realpatidar.com

realpatidar.com



श्रीगुरु भक्तिपरायण मठाभिमानी प्रिय शिष्य आत्मानंद ब्रह्मचारी, रा. रा. लक्ष्मण शिवराम चौधरी, श्री. सोनू तुकाराम पाटील मु० जळगांव यांसीः—

तुमचे कल्याणं इच्छित श्री निकट असो. तुमचेकडून मिति फाल्गुन वद्य ३० शके १८५२ चे विनंति अर्ज व त्याजबरोबर जळगांव येथील वर्णाश्रम परिषदेंत उपस्थित झालेल्या पंडितांचे अभिप्राय हे सर्व अवलोकनांत येऊन व त्याचा विचार होऊन तुमचे अर्जांत नमूद केलेला पिराणा पंथ सत्पंथ या नांवानें खान्देश, बऱ्हाणपूर, कच्छ, गुजराथ इत्यादि ठिकाणीं जो आहे तो सर्वथा वेदबाह्य आहे असा इकडून निर्णय देण्यांत आला आहे. या पत्राची प्रसिद्धी तुम्ही तिकडील प्रांतांत करावी. मिति वैशाख शुद्ध ८ शके १८५३ शनिवार, प्रजापतिनाम संवत्सरे.

Saturday
25-Apr-1931

मु० पुणें. महानुशासनंवरीवर्ति

शिक्का

सील

या सन १९३० सालांत झालेल्या अखिल भारतीय वर्णाश्रम स्वराज्य संघाच्या सर्व हिंदुस्तानांतून आलेल्या वेदवेत्त्या, व विद्वान्जनांच्या सभेस श्री. तोताराम बधु महाजन यांनींही यावयास पाहिजे होते ! जातीच्या पंचांना समाजहिताच्या दृष्टीनें या वादाचा कोर्टाप्रमाणेंच धार्मिक बाजूनेंही निकाल लावून घ्याव-

realpatidar.com

તા. 20-Jul-2016
realpatidar.com

પીરાણા સતપંથ વિષે કોલ્હાપુર સ્થિત કરવીર પીઠના શંકરાચાર્યની ગાદીએ ઘણા વર્ષો સુધી બહુજ ઊંડાણ પૂર્વક કામ કરેલ છે. આદિ શંકરાચાર્ય દ્વારા સ્થાપિત મૂળ ચાર પીઠોમાંના એક શૃંગેરી પીઠની આ પીઠ એટલે કે કરવીર પીઠ એક અધિકૃત શાખા છે.

મહારાષ્ટ્રમાં લેવા પાટીદાર જ્ઞાતિ પણ આ પીરાણા સતપંથમાં ફસાયેલ છે. તે અંગે વર્ષ ૧૯૩૧માં જળગાવની આસપાસ રહેતા લેવા પાટીદાર સમાજના અમુક આગેવાનોએ પરમ પૂજ્ય શંકરાચાર્યજીનો સંપર્ક કર્યો અને ત્યાર બાદ શંકરાચાર્યજીએ ગહન અભ્યાસ કર્યો તેમજ ધર્મના વિદ્વાનો સાથે ચર્ચા કરીને એવો નિષ્કર્ષ આપ્યો કે પીરાણા સતપંથ ધર્મ એ હિંદુ ધર્મનો ભાગ નથી, પીરાણા સતપંથ ધર્મ એ "વેદબાહ્ય" (એટલે કે વેદ પ્રમાણે નથી) છે, તેવું પ્રમાણિત કરતો પત્ર આપ્યો. (આ પત્ર મરાઠી ભાષામાં છે.)

હાલની સતપંથ દ્વારા કરવામાં આવેલ હાલચાલ જેમાં સતપંથના પ્રચારક શ્રી જનાર્ધન મહારાજને મહામંડલેશ્વરની પદવી આપવામાં આવેલ હકીકત, તેમજ સતપંથને કુંભમેળામાં આપવામાં આવેલ સ્થાનની હકીકતને ધ્યાનમાં રાખીને હાલના પરમ પૂજ્ય શંકરાચાર્યજીએ વિષયને ફરીથી હાથમાં લીધો અને ફરીથી સ્થિતિની પુનઃ સમીક્ષા કરવાનું નક્કી કર્યું.

સમીક્ષાના અંતે પરમ પૂજ્ય શ્રી શંકરાચાર્યજીએ એવો નિષ્કર્ષ કાઢ્યા કે ભલે પીરાણા સતપંથ ધર્મમાં હિંદુ દેવી દેવતાઓના નામોનો ઉલ્લેખ હોય, પણ વાસ્તવમાં એ માત્ર હિંદુઓને આકર્ષવા માટે જ છે અને ત્યાર બાદ તેમનો મુખ્ય હેતુ ધર્મ પરિવર્તન કરાવી ધીરે-ધીરે મુસ્લિમ બનાવાનો છે.

આ નિષ્કર્ષ પર આવા માટે પરમ પૂજ્ય સ્વામીજી એ જે દસ્તાવેજો ના આધારે ઊંડાણ પૂર્વક અભ્યાસ કર્યો છે તેનો ઉલ્લેખ પણ કર્યો છે.

આ સાથે કરવીર પીઠના પરમ પૂજ્ય શ્રી શંકરાચાર્યજી દ્વારા આપવામાં આવેલ બન્ને પ્રમાણ પત્રો અહીં જોડેલ છે.

૧) તા. 01-Jul-2016 (હિંદુ ભાષા)
૨) તા. 25-Apr-1931 (મરાઠી ભાષા)

લી.

રીયલ પાટીદાર

realpatidar.com